कॅरिअर पॉइंट युनिवर्सिटी में एण्टरप्रिन्योरशीप वर्कशॉप का आयोजन

कॅरिअर पॉइंट युनिवर्सिटी में आयोजित पाँच दिवसीय एण्टरप्रिन्योरशीप वर्कशॉप का समापन शुक्रवार को हुआ। गौरतलब है कि केन्द्र सरकार की ओर से युवाओं में स्वरोजगार के प्रति जागरूकता बढ़ाने के मकसद से इस तरह के आयोजन किए जा रहे है। राजीव गाँधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान एवं आईसीटीएसीटी द्वारा इस वर्कशॉप में विद्यार्थियों को स्टार्टअप के दौरान आने वाले चुनौतियों एवं उनके समाधानों के बारे में बताया।

संस्था द्वारा आए हुए विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि हमारे पास बिजनेस प्लान का पूरा मसौदा होने के बावजूद उसे धरातल पर नही ला पाते और अगर लाते भी है तो सही दिशा नहीं दे पाते।

उन्होंने कहा कि किसी भी उद्योग की शुरूआत से पहले हमे यह जान लेना अतिआवश्यक है कि मैदान में केवल हम नहीं है इसलिए उसी के मुताबिक रणनीति होनी चाहिए। पाँच दिन के मंथन के दौरान विद्यार्थियों को एण्टरप्रिन्योरशीप की तमाम बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं के लिए एक नीव का पत्थर साबित होगें।

वर्कशॉप ट्रेनर दीपक खत्री ने बताया कि वर्कशॉप में कुल 40 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया जिन्हें एक सप्ताह के अन्तराल में गाइडलाइंस के अनुरूप अपने बिजनेस प्लान बनाने है। इनमें से दस बिजनिस प्लान राज्य स्तर पर चयनित होगें और 3 विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चुना जाएगा। इन्हें केन्द्र सरकार द्वार फंड उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा युनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर स्टूडेंट चेप्टर व ऐसोसिएशन ऑफ इलेक्ट्रीकल एंड इलेट्रॉनिक्स का भी उद्घाटन किया गया। इसमें डिपार्टमेंट के कुल 195 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। चेप्टर के जरिए विद्यार्थी अपने फील्ड के अनुभवों को न केवल साझा कर सकेगें बल्कि ये उनके प्रोफेशनल करिअर में भी सहायक होगा।

कार्यक्रम के दौरान इंजीनियरिंग विभाग के डीन के. जी. सुधाकर, आई.ई. सबसेन्टर कोटा के सेक्रेट्री आन्नद भारद्वाज व अन्नपूर्णा भागर्व भी मौजूद रहे।